Dr. Raj Gopal,
Department of Philosophy

(ii) निष्कर्ष का विधेय पद आधार-वाक्य के विधेय पद का व्याघाती (Contradictory) होता है। यहाँ ध्यान देने योग्य है कि व्याघाती-विधेय युक्त तर्कवाक्य निषेधात्मक तर्कवाक्य से भिन्न होता है। जैसे- 'कुछ S P नहीं है।' एक निषेधात्मक तर्कवाक्य है, जबकि- "कुछ S non-P, है" एक भावात्मक तर्कवाक्य है जिसका विधेय निषेधात्मक (Non-P) है।

(iii) आधार वाक्य और निष्कर्ष का परिमाण समान होना चाहिए। यदि आधार वाक्य पूर्णव्यापी तो निष्कर्ष भी पूर्णव्यापी होना चाहिए और यदि आधार वाक्य अंशव्यापी तो निष्कर्ष भी अंशव्यापी होना चाहिए।

(iv) आधार वाक्य और निष्कर्ष के गुण भिन्न होना चाहिए यदि आधार वाक्य भावात्मक है तो निष्कर्ष निषेधात्मक होगा और यदि आधार वाक्य निषेधात्मक तो निष्कर्ष भावात्मक होगा।

(v) पदों के व्याप्ति के नियम का पालन होना चाहिए।

'A' तर्कवाक्य का प्रतिवर्तन (Obversion of 'A' Proposition)

सभी S P है (A)

अतः कोई S Non-P नहीं है (E)

यह निष्कर्ष वैध है क्योंकि यह प्रतिवर्तन के सभी नियमों के अनुकूल है। सभी मनुष्य मरणशील है का प्रतिवर्तन होगा.

Scanned with CamScanner

("कोई मनुष्य अ-मरणशील नहीं है")।

'E' वर्ग वाक्य का प्रतिवर्तन (Obversion of 'E' Proposition)

कोई S P नहीं है। (E)

अतः सभी S अ-P है (A)

यह वैध अनुमान है क्योंकि यह प्रतिपर्तन के सभी नियमों का पालन करता है। जैसे - कोई राजनेता ईमानदार नहीं है का प्रतिपर्तन होगा "सभी राजनेता अ-ईमानदार (बेईमान) है"।

I वर्ग वाक्य का प्रतिपर्तन (Obversion of 'I' Proposition)

कुछ S P है (I)

अतः कुछ S अ-P नहीं है (O)

यह वैध अनुमान है। "कुछ मनुष्य बुद्धिमान है का प्रतिपर्तन होगा "कुछ मनुष्य अ-बुद्धिमान (बुद्धिहीन) नहीं है"।

O वर्ग वाक्य का प्रतिपर्तन (Obversion of (O) Proposition)

कुछ S P नहीं है (O)

अतः कुछ S अ-P है (I)

यह वैध अनुमान है। "कुछ आवेदन कर्ता भारतीय नागरिक नहीं है" का प्रतिवर्तन होगा। कुछ आवेदनकर्ता अ-भारतीय नागरिक है।

सारांश (Obversion) (प्रतिवर्तन)

A का प्रतिपर्तन	'E'	होता है।
E का प्रतिपर्तन	'A'	होता है।
I का प्रतिपर्तन	'O'	होता है।
'O' का प्रतिपर्तन	'I'	होता है।